दिनांक 01 जून 2022 को केंद्रीय बोर्ड के निदेशकों से संबंधित संक्षिप्त जानकारी
कार्यपालक निदेशक

श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष

श्री दिनेश कुमार खारा भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष हैं। बैंक के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त होने से पहले वे बैंक के प्रबंध निदेशक (ग्लोबल बैंकिंग और अनुषंगियां) थे। प्रबंध निदेशक (ग्लोबल बैंकिंग और अनुषंगियां) के रूप में अपनी भूमिका में उन्होंने बैंक के अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह, कॉरपोरेट और ट्रेजरी परिचालन का नेतृत्व और संचालन किया है।

वे भारतीय स्टेट बैंक की सहायक कंपनियों के विंग का मार्गदर्शन और कुशल नेतृत्व करने में सक्षम रहे हैं, जिसके कारण बैंक की गैर-बैंकिंग सहायक कंपनियों जैसे एसबीआई म्यूचुअल फंड, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एसबीआई क्रेडिट कार्ड के उत्कृष्ट प्रदर्शन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। प्रबंध निदेशक (सहयोगी एवं अनुषंगियां) के रूप में श्री खारा ने अपने पांच सहयोगी बैंकों और भारतीय महिला बैंक के साथ भारतीय स्टेट बैंक के विलय का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया।

इसके अतिरिक्त, वे बैंक की जोखिम, आईटी और अनुपालन कार्यों के भी प्रमुख रहे। भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त होने से पहले, श्री खारा एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआईएमएफ) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी थे।

श्री खारा वर्ष 1984 में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में एसबीआई में शामिल हुए और बैंकिंग के सभी क्षेत्रों में उन्हें 3७ से अधिक वर्षों का समृद्ध अनुभव है। 60 वर्षीय श्री दिनेश कुमार खारा ने एफएमएस, नई दिल्ली से बिजिनेस एडमिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर और दिल्ली स्कूल ऑफ एकोनोमिक्स से वाणिज्य में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की। वे भारतीय बैंकर्स संस्थान के प्रमाणित एसोसिएट भी हैं।

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टि, प्रबंध निदेशक (रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग)

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टि ने दिनांक 20 जनवरी 2020 से भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है और वे दिनांक 1 अप्रैल 2020 से रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग के कार्यों का संचालन कर रहे हैं।

कृषि में विज्ञान स्नातक और भारतीय बैंकर्स संस्थान के प्रमाणित एसोसिएट श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टि ने वर्ष 1988 में भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपना करियर शुरू किया। अपने तीन दशकों के करियर में उन्हें कॉरपोरेट ऋण, रिटेल बैंकिंग और विकसित बाजारों में बैंकिंग का विशद अनुभव प्राप्त है।

प्रबंध निदेशक का कार्यभार संभालने से पहले श्री शेट्टि उप प्रबंध निदेशक के रूप में बैंक के तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह का नेतृत्व कर रहे थे, जहां वे बिजली, इंफ्रा, ऑटो, टेलीकॉम आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में देश भर में बैंक के तनावग्रस्त आस्ति संविभाग के समाधान की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

श्री शेट्टि के भारतीय स्टेट बैंक में प्रमुख पदभारों में कॉरपोरेट लेखा समूह में मुख्य महाप्रबंधक और महाप्रबंधक, वाणिज्यिक शाखा, इंदौर में उप महाप्रबंधक और एसबीआई, न्यूयॉर्क शाखा में वीपी एंड हैड (सिंडिकेशंस) शामिल हैं।

श्री स्वामीनाथन जानकीरामन, प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन एवं तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह)

श्री स्वामीनाथन जानकीरामन भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन एवं तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह) हैं। भारतीय स्टेट बैंक में 32 वर्षों से भी अधिक के करियर में श्री स्वामीनाथन ने वित्त, कॉरपोरेट एवं अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, व्यापार वित्त, रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग तथा शाखा प्रबंधन के कई पदों पर कार्य किया।

प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन एवं तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह) के अपने कार्य के अंतर्गत वे संपूर्ण बैंक के जोखिम प्रोफाइल के प्रबंधन, आवश्यक विनियमों के सक्रिय अनुपालन एवं बैंक की तनावग्रस्त आस्ति बहियों की वसूली और समाधान के प्रभारी होंगे।

इससे पहले उप प्रबंध निदेशक, वित्त के रूप में उन्होंने बजटिंग, पूंजी आयोजना, वित्तीय रिपोर्टिंग, कराधान, लेखा-परीक्षा, आर्थिक अनुसंधान, निवेशक संबंध एवं सचिवालय अनुपालन का कार्य संभाला।

भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य डिजिटल अधिकारी के रूप में उन्होंने बैंक के डिजिटल एवं लेनदेन बैंकिंग वर्टिकलों के प्रमुख के रूप में कार्य किया। उससे पूर्व मुख्य महाप्रबंधक के रूप में श्री स्वामीनाथन ने बैंक के हैदराबाद मंडल के प्रमुख की हैसियत से तेलंगाना राज्य में बैंक के व्यवसाय की देखरेख की और अपनी 1,150 शाखाओं के जरिए विभिन्न ग्राहक खंडों के अंतर्गत रिटेल बैंकिंग के विशाल कारोबार को संभाला।

भारतीय स्टेट बैंक के अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह के अंतर्गत कार्य करने के दौरान श्री स्वामीनाथन ने कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई के महाप्रबंधक (एफआईजी) के रूप में कार्य किया, जो संस्थात्मक बिक्री, व्यापार वित्त एवं भुगतान उत्पादों सहित बैंक के करेस्पांडेंट बैंकिंग संबंध के कार्य को संभालता है। उप महाप्रबंधक के रूप में वे विश्व व्यापार सेवाओं के प्रमुख रहे, जो बैंक के विदेश स्थित कार्यालयों के व्यापार वित्त व्यवसाय एवं व्यापार परिचालाओं के लिए जिम्मेदार है। वे भारतीय स्टेट बैंक की न्यूयार्क शाखा के व्यापार वित्त के प्रमुख भी रहे। भारतीय स्टेट बैंक के नामिती के रूप में उन्होंने बैंक ऑफ भूटान बोर्ड में कार्य किया, जो भूटान में भारतीय स्टेट बैंक का संयुक्त उद्यम है।

भारतीय स्टेट बैंक के नामिती के रूप में श्री स्वामीनाथन यस बैंक, एनपीसीआई, एनपीसीआई इंटरनैशनल एवं जियो पेमेंट्स बैंक के बोर्डों के निदेशक रहे। श्री स्वामीनाथन इस समय एसबीआई पेमेंट्स सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड में एसबीआई के नामिती निदेशक और बोर्ड के अध्यक्ष हैं, जो एसबीआई हिताची संयुक्त उद्यम है। वे प्रमाणित धन-शोधन निवारक विशेषज्ञ के साथ-साथ प्रमाणित प्रलेखी ऋण विशेषज्ञ भी हैं।

श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, प्रौद्योगिकी एवं अनुषंगियाँ)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी करियर बैंकर हैं, जिन्होंने भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षा अधिकारी के रूप में वर्ष 1991 में अपने करियर को शुरू किया। इस समय वे भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक हैं, जो बैंक के अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सहयोगी तथा अनुषंगियों का पोर्टफोलियो संभाल रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक बनने से पहले उन्होंने एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में

कार्य किया।

वे लगभग तीन दशकों से भारत के सबसे पुराने एवं सबसे बड़े बैंकिंग समूह भारतीय स्टेट बैंक से जुड़े रहे और भारत एवं विदेश के कई स्थानों में बैंक के विभिन्न पदों पर उन्होंने कार्य किया।

एसबीआई कार्ड्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में उन्होंने जीपे, पेटीएम, बीपीसीएल आदि के साथ की गई महत्वपूर्ण भागीदारियों का पर्यवेक्षण किया और कोविड अवधि के तुरंत बाद की अवधि के दौरान कंपनी का संचालन किया।

इससे पहले, वे अप्रैल 2017 से जुलाई 2021 तक भारतीय स्टेट बैंक के यूएस परिचालनों के कंट्री हेड रहे। इसमें न्यूयार्क, शिकागो, लॉस एंजेल्स, वाशिंगटन डीसी एवं साओ पालो (ब्राज़ील) के उसके कार्यालय शामिल हैं। इससे पहले वे भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख एवं महाप्रबंधक, ईस्ट एशिया रहे। हांग कांग में रहते हुए उन्होंने हांग कांग, चीन, जापान, कोरिया एवं पड़ोसी क्षेत्र में भारतीय स्टेट बैंक के व्यवसाय विकास एवं नियंत्रण का देखरेख किया।

कुछ वर्षों से उप महाप्रबंधक (परिचालन एवं सूचना प्रणाली), अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह, मुंबई, भारतीय स्टेट बैंक के नकदी प्रबंधन के प्रमुख, क्षेत्रीय प्रबंधक, शाखा प्रमुख सहित भारतीय स्टेट बैंक में अन्य नेतृत्व पद उन्होंने संभाला।
इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त श्री तिवारी भारतीय बैंकर संस्थान के प्रमाणित एसोशिएट, प्रमाणित वित्तीय आयोजक हैं तथा उन्होंने एक्सएलआरआई से प्रबंधन का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा किया। उन्होंने बोर्ड ऑफ इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स, न्यूयार्क, तथा बोर्ड ऑफ यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन ग्लोबल बैंकर्स प्रोग्राम का कार्य भी संभाला।

प्रामाणिकता के सिद्धांतों पर आधारित दर्शन एवं अर्थपूर्ण बदलाव उन्हें जीवन में प्रेरित करते रहते हैं। श्री तिवारी बहुत ही अच्छे अध्येता हैं, जिनकी भारतीय इतिहास, विज्ञान कथा साहित्य एवं साहित्य में विशेष रुचि है। जॉगिंग और क्रिकेट प्रेमी श्री तिवारी समय मिलने पर किशोर कुमार एवं मोहम्मद रफी के पुराने मधुर गीतों को सुनना पसंद करते हैं।

गैर-कार्यकारी निदेशक
श्री बी. वेणुगोपाल श्री बी. वेणुगोपाल, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2020 से 25 जून 2023 तक की अवधि के लिए पुनः निर्वाचित निदेशक हैं। वे भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पूर्व प्रबंध निदेशक हैं, जिन्हें एलआईसी में 36 वर्ष और तत्कालीन स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर में 2 साल के कार्य का अनुभव है। वाणिज्य और लागत लेखा में केरल विश्वविद्यालय के स्नातक, श्री वेणुगोपाल ने राष्ट्रीय बीमा अकादमी-पुणे, आईआईएम-अहमदाबाद और कोलकाता, आईएसबी-हैदराबाद, एशियाई प्रबंधन संस्थान-मनीला और फालिया-जापान से व्यापार रणनीतियों, परियोजना प्रबंध, वित्त, विपणन, सूचना प्रौद्योगिकी आदि में व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। एलआईसी में अपने करियर के दौरान उन्होंने विपणन, प्रशासन और सूचना प्रौद्योगिकी सहित कार्यकारी निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी), प्रमुख (आईटी/बीपीआर) क्षेत्रीय प्रबंधक (ईएंडओएस), चेन्नई तथा मदुरै व कोयमबत्तूर प्रभागों के वरिष्ठ प्रभागीय प्रबंधक सहित संस्था के कामकाज के सभी क्षेत्रों में व्यापक अनुभव अर्जित किया है। प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, वे एलआईसी के 8 मंडलों में से सबसे बड़े- पश्चिमी क्षेत्र, जिसमें गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र राज्य शामिल है, के प्रभारी मंडल प्रबंधक थे और एलआईसी की प्रीमियम आय का लगभग 25% हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। चूंकि एलआईसी अपने सभी सॉफ्टवेयर को इन-हाउस विकसित और बनाए रखता है, इसलिए उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी में व्यापक ज्ञान प्राप्त किया, जिसमें शुरू में प्रोग्रामर, सिस्टम्स एनालिस्ट के रूप में काम किया और बाद में 7 वर्षों के लिए आईटी के प्रमुख के रूप में भी कार्य किया। एलआईसी के कोर बिजनेस सॉल्यूशन (1995-97) की शुरुआत, प्रथम मेट्रो एलआईसी के कोर एरिया नेटवर्किंग और आईवीआर सिस्टम्स ऑफ एलआईसी (1998), कॉरपोरेट एक्टिव वेयरहाउस (2005), ऑनलाइन प्रीमियम कलेक्शन (2006), एंटरप्राइज डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट सिस्टम्स (2007), और ऑनलाइन अंडरराइटिंग इंजन और ऑनलाइन सेल ऑफ पॉलिसीज (2012) की शुरुआत सहित आईटी के क्षेत्र में एलआईसी द्वारा की गई अधिकांश पथ प्रदर्शक पहलों का विकास और कार्यान्वयन करने वाली टीमों का नेतृत्व करना

उनका सौभाग्य रहा है। आईटी के प्रमुख के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान एक से अधिक अवसरों पर, एलआईसी ने भारत में बीमा कंपनियों के बीच आईटी के सर्वश्रेष्ठ उपयोगकर्ता के लिए नैसकॉम पुरस्कार जीता है।

2009 से उन्होंने भारत और विदेश के विभिन्न संस्थानों के निदेशक मंडलों तथा राष्ट्रीय बीमा अकादमी और भारतीय बीमा संस्थान के प्रबंध मंडल का प्रतिनिधित्व करने के साथ-साथ भारतीय जीवन बीमा निगम, भविष्य निधि तथा भारतीय जीवन बीमा निगम स्वर्ण जयंती फाउंडेशन के संरक्षक के रूप में कार्य किया है। वर्तमान में वे भारतीय स्टेट बैंक तथा नैशनल कमोडिटीज एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (एमसीडीइएक्स) के बोर्ड के स्वतंत्र निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ. गणेश नटराजन

डॉ. गणेश नटराजन, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2020 से 25 जून 2023 तक की अवधि के लिए निर्वाचित निदेशक हैं। डॉ. गणेश नटराजन 5F वर्ल्ड के संस्थापक और अध्यक्ष हैं, जो डिजिटल कौशल और डिजिटल परिवर्तन में वैश्विक परामर्श और निवेश का मंच है। वे पुणे सिटी कनेक्ट और सोशल वेंचर पार्टनर्स इंडिया के चेयरमैन भी हैं। उन्हें एनआईटीआईई और आईआईटी बॉम्बे का विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार मिल चुका है। उनके काम पर दो केस स्टडी आईएसबी आईआईएम बेंगलुरु और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में लिखी और पढ़ाई जा चुकी हैं।

सीए श्री केतन एस विकमसी

सीए श्री केतन विकमसी भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (सी) के तहत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2020 से 25 जून 2023 तक की अवधि के लिए चुने गए निदेशक हैं। श्री विकमसी वर्ष 1936 में स्थापित संस्था खिमजी कुंवरजी एंड कंपनी एलएलपी, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के वरिष्ठ भागीदार हैं। उनकी योग्यताओं में आइसीएआइ का आइएफआरएस सर्टिफिकेशन;

आइसीएआइ की सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा (डीआइएसए) में डिप्लोमा; और आइडीआरबीटी, हैदराबाद का बोर्ड सदस्यों के लिए आईटी व साइबर सुरक्षा में सर्टिफिकेशन शामिल हैं।

उन्हें बड़े बैंकों, विनिर्माण प्रतिष्ठानों, निवेश बैंकों, बीमा कंपनियों और म्यूचुअल फंडों की लेखापरीक्षा के क्षेत्रों में तीस से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे विभिन्न सेमिनारों, बैठकों, आइसीएआइ की क्षेत्रीय परिषदों, आइसीएआइ, भारतीय रिज़र्व बैंक, सीएजी व कई अन्य संगठनों की शाखाओं और अध्ययन मंडलों द्वारा आयोजित व्याख्यानों में वक्ता/अध्यक्ष रहे हैं। वे विपश्यना अनुसंधान संस्थान, इगतपुरी और श्री वी एल विद्यार्थीगृह के ट्रस्टी हैं, जो मुंबई शहर के बीच 150 छात्रों की क्षमता युक्त अत्याधुनिक छात्रावास संचालित करने वाला एक गैर-सरकारी संगठन है। वे वन्यजीव और प्रकृति प्रेमी हैं, पेशेवर फोटोग्राफी में गहरी रुचि रखते हैं और नए स्थानों और विभिन्न दिलचस्प संस्कृतियों की खोज में दुनिया भर की यात्रा करने का जुनून रखते हैं।

श्री मृगांक एम परांजपे

श्री मृगांक परांजपे भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2020 से 25 जून 2023 तक के लिए निर्वाचित निदेशक हैं। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुंबई से बैचलर इन टेक्नोलॉजी हैं, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट हैं। उनके पास विभिन्न कार्यात्मक एवं भौगोलिक क्षेत्रों में बैंकिंग, पूंजी बाजार, परिसंपत्ति प्रबंधन और स्टॉक ब्रोकिंग में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे इस समय एनसीडीईएक्स ई मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हैं। इससे पहले वे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रहे। इससे पहले वे सिंगापुर और भारत में ड्यूश बैंक में वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर रहे। उन्होंने इससे पहले आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी और सिटी बैंक के साथ काम किया है।

सीए श्री संजीव महेश्वरी

संजीव महेश्वरी भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (डी) के अनुसार केंद्रीय सरकार द्वारा 20 दिसंबर, 2019 से 3 वर्षों की अवधि के लिए नामित एक निदेशक हैं।

श्री महेश्वरी एक चार्टर्ड अकाउंटेंट और दिवालियापन समाधान मामलों के पेशेवर विशेषज्ञ हैं। उन्हें लेखा-परीक्षा, कराधान और प्रबंधन परामर्श के क्षेत्र में 34 वर्षों से अधिक का अनुभव प्राप्त हैं। ये भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान की केंद्रीय परिषद के 9 वर्षों से सदस्य हैं, और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के लेखांकन मानक बोर्ड (अकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स बोर्ड) के 3 वर्षों से अध्यक्ष हैं। इस दौरान भारतीय लेखा मानक बनाने में भी इनका योगदान रहा है। ये आईसीएआई की अधिकांश तकनीकी समितियों के अध्यक्ष या सदस्य रहे हैं। ये कार्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा गठित गुणवत्ता समीक्षा बोर्ड के एक सदस्य भी रहे हैं और दक्षिण एशियाई लेखाकार परिसंघ की अनेक समितियों के एक सदस्य भी रहे हैं।

सीए श्री प्रफुल्ल पी छाजेड

सीए श्री प्रफुल्ल पी छाजेड भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (डी) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 21 दिसंबर 2021 से 3 वर्ष की अवधि के लिए नामित निदेशक हैं। वे भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आइसीएआइ) के फेलो और प्रैक्टिसिंग सदस्य हैं। वे वर्ष 2019-20 के दौरान भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान के अध्यक्ष रहे। वे पिछले 9 वर्षों से केंद्रीय परिषद के सदस्य हैं। वे लेखा मानक बोर्ड, संवहनीयता रिपोर्टिंग मानक बोर्ड, व्यावसायिक विकास समिति, सदाचार मानक बोर्ड, महिला सदस्य साधिकारिता समिति, बोर्ड ऑफ स्टडीज़, कमिटी फॉर मेंबर्स इन इंडस्ट्री आदि भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान की विभिन्न समितियों के अध्यक्ष रहे और इन समितियों की बैठकों में भी सहभाग किया। वे भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान की वेस्टर्न इंडिया रीजनल काउंसिल (डब्ल्यूआईआरसी) के सदस्य और वर्ष 2007-08 के लिए अध्यक्ष भी रहे। वे अंतरराष्ट्रीय लेखाकार परिसंघ (आईएफएसी) द्वारा गठित वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ एकाउंटेंट्स 2022 की कार्यकारिणी समिति के वैश्विक अध्यक्ष भी हैं। वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ एकाउंटेंट्स

अंतरराष्ट्रीय लेखाकार परिसंघ का अत्यंत प्रतिष्ठित कार्यक्रम है। वे कनफेडरेशन ऑफ एशियन एंड पसिफिक एकाउंटेंट्स (सीएपीए) के उपाध्यक्ष हैं, जिसका मुख्यालय कुआला लंपूर में है। उन्होंने एसएएफए, आइएफएसी एसएमपी समिति, सीए वर्ल्डवाइड, इंटेग्रेटेड रिपोर्टिंग काउंसिल आदि जैसे विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों के लिए भी कार्य किया है।

इस समय श्री छाजेड़ मुंबई स्कूल ऑफ एकॉनमिक्स एंड पब्लिक पॉलिसी (मुंबई विश्वविद्यालय) के प्रबंधन-मंडल के सदस्य, भारतीय उद्योग महापरिसंघ (सीआइआइ) की वित्तीय रिपोर्टिंग पर राष्ट्रीय समिति के सदस्य, भारतीय सनदी लेखाकार के निदेशक, अंतरराष्ट्रीय लेखाकार परिसंघ, न्यू यार्क के प्रोफेशनल एकाउंटेंसी ऑर्गनाइजेशन डेवलपमेंट एंड एड्वाइजरी ग्रूप (2021-23) के रजिस्टर्ड वैल्यूयर्स ऑर्गनाइजेशन के सदस्य हैं। वे विगत में एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड बोर्ड, जीआइसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इनसॉल्वेंसी प्रोफेशनल्स ऑफ आइसीएआइ, बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण, एक्स्टेंसिबल बिजिनेस रिपोर्टिंग लैंगवेज़ (एक्सबीआरएल) इंडिया एवं आईडीबीआई कैपिटल मार्केट सर्विसेस लिमिटेड के निदेशक भी रहे। वे सेबी की प्राथमिक बाजार सलाहकार समिति एवं आइएमसी चैंबर ऑफ कामर्स की बैंकिंग एवं वित्त समिति के सदस्य भी रहे।

श्री संजय मल्होत्रा, आइएएस

श्री संजय मल्होत्रा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (ई) के तहत 16 फ़रवरी 2022 से अगले आदेश तक केंद्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। वे भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएं विभाग में सचिव हैं।

श्री मल्होत्रा राजस्थान कैडर (संवर्ग) के वर्ष 1990 के बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। वित्तीय सेवाएँ विभाग, वित्त मंत्रालय में सचिव का पदभार ग्रहण करने से पहले वे भारत की एक प्रमुख अवसंरचना वित्त कंपनी आरईसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक थे। वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से कंप्यूटर साइंस के इंजीनियरी ग्रेज्युएट हैं और प्रिंसिटन विश्वविद्यालय से पब्लिक पॉलसी में मास्टर डिग्री धारक हैं। 31 वर्षों से भी अधिक के अपने

कॅरियर में नेतृत्व एवं उत्कृष्टता का परिचय देते हुए श्री मल्होत्रा ने वित्त एवं कराधान, ऊर्जा, उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी आदि सहित बहुविध क्षेत्रों में कार्य किया है।

श्री अनिल कुमार शर्मा

श्री अनिल कुमार शर्मा केंद्र सरकार द्वारा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (एफ) के अंतर्गत 13 अप्रैल 2021 से अगले आदेश तक नामित निदेशक है।

श्री शर्मा इस समय भारतीय रिज़र्व बैंक में कार्यपालक निदेशक (ईडी) पद पर कार्यरत हैं। कार्यपालक निदेशक से पूर्व वे भारतीय रिज़र्व बैंक के प्रवर्तन विभाग के मुख्य महाप्रबंधक थे।

उन्होंने डोबा कॉलेज, जलंधर, पंजाब से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर किया और वर्ष 1986 में भारतीय रिज़र्व बैंक में आने से पूर्व वे गोखले इन्स्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड एकनामिक्स, पुणे में यूजीसी फ़ेलो रहे। वे ट्रेजरी एवं जोखिम प्रबंधन में डिप्लोमा धारक हैं और भारतीय बैंकर संस्थान के प्रमाणित सहयोगी है।

बैंक में उनका अनुभव पर्यवेक्षण, मुद्रा एवं बैंकिंग प्रबंधन, ग्रामीण ऋण तथा वित्तीय समावेशन में रहा है। उन्होंने भारतीय रिज़र्व बैंक के कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, पुणे में भी संकाय सदस्य के रूप में कार्य किया।

xxxxxxxxx